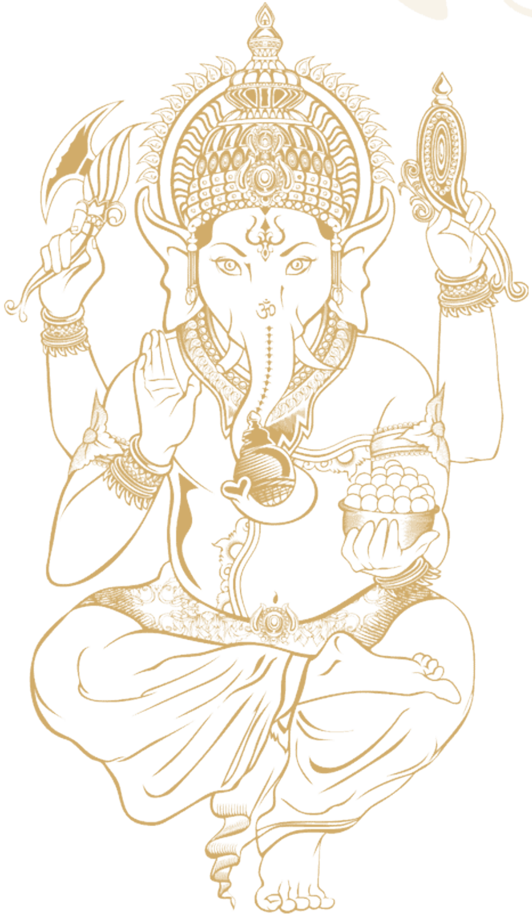

Siya

06 Jan 2023

03:57 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121197202

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **06/01/2023**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **15:57:00 घंटे**
इष्ट	: 21:18:27 घटी
स्थान	: **Ludhiana**
राज्य	: Punjab
देश	: India

अक्षांश	: 30:56:00 उत्तर
रेखांश	: 75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:30:28 घंटे
वेलान्तर	: -00:05:38 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:33:28 घंटे
सूर्योदय	: 07:25:37 घंटे
सूर्यास्त	: 17:39:08 घंटे
दिनमान	: 10:13:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 21:38:48 धनु
लग्न के अंश	: 29:41:16 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	: **मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: ऐन्द्र
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:41:16	342:17:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			धनु	21:38:48	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	15:53:21	11:55:48	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		वृष	14:13:30	00:05:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	धनु	24:14:32	01:18:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	07:42:41	00:08:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	स्वराशि
शुक्र			मक	10:00:44	01:15:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मक	28:47:54	00:06:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	17:07:25	00:11:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	17:07:25	00:11:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		मेष	20:52:59	00:00:51	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			कुंभ	28:47:21	00:01:08	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			मक	03:39:20	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	12:26:32	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:33

लग्न-चलित

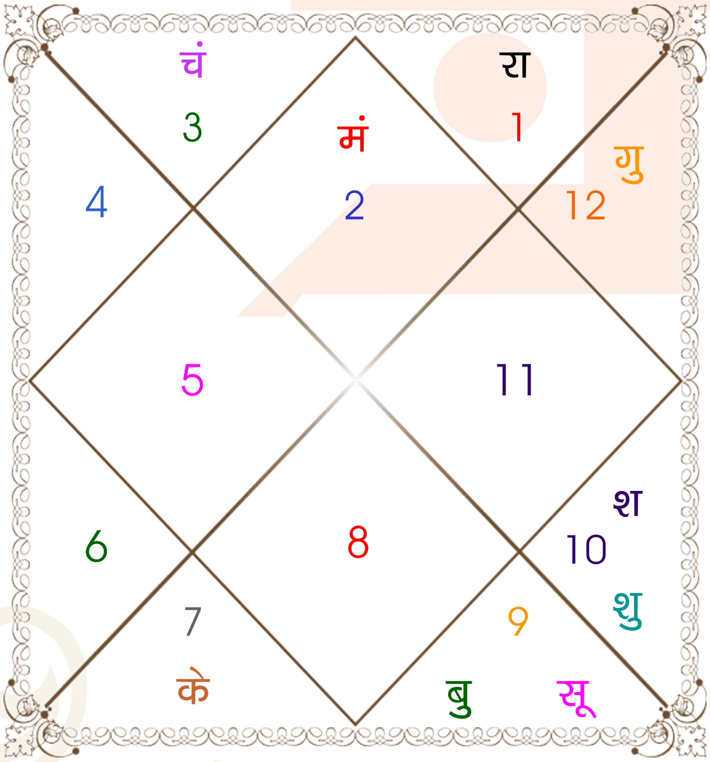

चन्द्र कुंडली

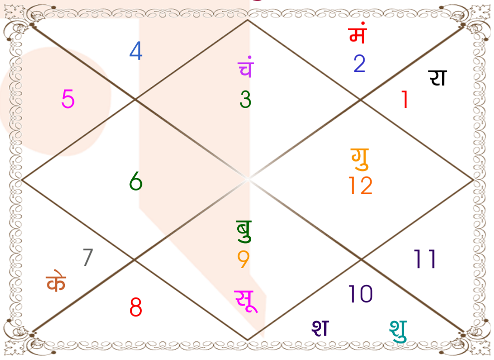

नवमांश कुंडली

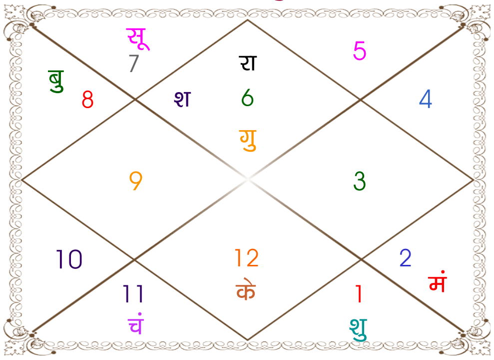

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 6 मास 18 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/01/2023		25/07/2028		25/07/2044		26/07/2063		25/07/2080	
25/07/2028		25/07/2044		26/07/2063		25/07/2080		26/07/2087	
	00/00/0000	गुरु	12/09/2030	शनि	29/07/2047	बुध	22/12/2065	केतु	21/12/2080
	00/00/0000	शनि	26/03/2033	बुध	07/04/2050	केतु	19/12/2066	शुक्र	20/02/2082
	00/00/0000	बुध	02/07/2035	केतु	17/05/2051	शुक्र	19/10/2069	सूर्य	28/06/2082
	00/00/0000	केतु	06/06/2036	शुक्र	17/07/2054	सूर्य	25/08/2070	चंद्र	27/01/2083
	06/01/2023	शुक्र	05/02/2039	सूर्य	29/06/2055	चंद्र	25/01/2072	मंगल	25/06/2083
शुक्र	11/02/2025	सूर्य	25/11/2039	चंद्र	27/01/2057	मंगल	21/01/2073	राहु	13/07/2084
सूर्य	06/01/2026	चंद्र	26/03/2041	मंगल	08/03/2058	राहु	10/08/2075	गुरु	19/06/2085
चंद्र	08/07/2027	मंगल	02/03/2042	राहु	12/01/2061	गुरु	15/11/2077	शनि	29/07/2086
मंगल	25/07/2028	राहु	25/07/2044	गुरु	26/07/2063	शनि	25/07/2080	बुध	26/07/2087

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/07/2087		27/07/2107		26/07/2113		27/07/2123		27/07/2130	
27/07/2107		26/07/2113		27/07/2123		27/07/2130		00/00/0000	
शुक्र	24/11/2090	सूर्य	14/11/2107	चंद्र	27/05/2114	मंगल	23/12/2123	राहु	08/04/2133
सूर्य	25/11/2091	चंद्र	14/05/2108	मंगल	26/12/2114	राहु	10/01/2125	गुरु	01/09/2135
चंद्र	25/07/2093	मंगल	19/09/2108	राहु	26/06/2116	गुरु	16/12/2125	शनि	08/07/2138
मंगल	25/09/2094	राहु	14/08/2109	गुरु	26/10/2117	शनि	25/01/2127	बुध	25/01/2141
राहु	24/09/2097	गुरु	02/06/2110	शनि	27/05/2119	बुध	23/01/2128	केतु	12/02/2142
गुरु	26/05/2100	शनि	15/05/2111	बुध	25/10/2120	केतु	20/06/2128	शुक्र	07/01/2143
शनि	27/07/2103	बुध	20/03/2112	केतु	27/05/2121	शुक्र	20/08/2129		00/00/0000
बुध	27/05/2106	केतु	26/07/2112	शुक्र	25/01/2123	सूर्य	26/12/2129		00/00/0000
केतु	27/07/2107	शुक्र	26/07/2113	सूर्य	27/07/2123	चंद्र	27/07/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।